पत्रांक-10/म4-42/07 मा0------/
मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार ।

प्रेषक,

कमलेश्वर प्रसाद सिंह,
निदेशक मा0 शि0 I, बिहार ।

सेवा में,

श्री अशोक गांगुली,
अध्यक्ष,
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,
शिक्षा केन्द्र, 2, कम्युनिटी सेन्टर,
नई दिल्ली-110092

पटना, दिनांक-

विषय:- मेधा एकेडमी, औरंगाबाद को अनापत्ति प्रमाण पत्र के संबंध में ।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार सूचित करना है कि सरकारी अधिसूचना संख्या 238 दिनांक-03-04-2006 के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, औरंगाबाद से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन एवं विद्यालय प्रबंधन के द्वारा उपलब्ध कराये गये कागजात की समीक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु गठित विभागीय समिति द्वारा की गयी तथा मेधा एकेडमी, औरंगाबाद को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सम्बद्धता हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने की अनुशंसा की गयी है । समिति की अनुशंसा के आलोक में समीक्षोपरान्त स्थिति निम्नवत है:-

1. विद्यालय का संचालन निबंधित जगराज एजुकेशन ट्रस्ट, एम0जी0रो0 औरंगाबाद द्वारा किया जा रहा है तथा विद्यालय ने निबंधित ट्रस्ट में एक परिवार का प्रभुत्व न होने का प्रमाण-पत्र समर्पित किया है । ट्रस्ट के सदस्यों की सूची दी गयी है, सभी का पेशा तो बताया गया है, किन्तु कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे वास्तविक व्यवसाय का पता नहीं चलता है । शर्त्तों के अनुरूप विद्यालय ट्रस्ट के प्रत्येक सदस्य के वास्तविक पेशा को स्पष्ट करना चाहिए । सदस्यों की सूची संलग्न है ।

2. विद्यालय ने किसी निबंधित सोसाईटी/न्यास के फ्रेन्चाईजी अथवा किसी विद्यालय के ब्रांड नेम उपयोग नहीं करने का दावा किया है ।

3. विद्यालय को निबंधन के माध्यम से 2 एकड़ । डिसमील भूमि 30 वर्षों के लीज पर उपलब्ध है, जिसपर विद्यालय का भवन निर्माणाधीन है । वर्त्तमान में विद्यालय निःशुल्क मकान में चल रहा है । केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को

को स्थल निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यालय की आधारभूत संरचना एवं सुविधाएँ बोर्ड के मानक के अनुरूप है ।

4. विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति समाचार पत्रों में विज्ञापन निकालकर विहित प्रक्रिया द्वारा करने का दावा किया गया है तथा शिक्षकों की नियुक्ति विहित प्रक्रिया के द्वारा किया गया है, परन्तु ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है, जिससे यह स्पष्ट हो कि नियुक्ति में विहित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए पारदर्शिता बरती गयी हो । केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षकों की योग्यता प्रशिक्षण राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के मापदण्डों के अनुरूप है ।

5. विद्यालय में हिन्दी अनिवार्य रूप से पढ़ाये जाने का दावा किया गया है ।

6. विद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्कों, वार्षिक लेखा अंकेक्षण तथा वार्षिक प्रतिवेदन प्रतिवर्ष सार्वजनिक करने का आश्वासन दिया गया है । विद्यालय अपने आश्वासन के अनुरूप कार्रवाई करे इसे केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली को सुनिश्चित करना होगा ।

7. विद्यालय के द्वारा लिखित रूप से सहमति दी गयी है कि उसे विभागीय अधिसूचना संख्या-238 दिनांक-3-4-2006 में उल्लेखित अतिरिक्त शर्तें स्वीकार है । अतिरिक्त शर्तों के अनुसार :-

(i) विद्यालय में क्षमता का 25 प्रतिशत नामांकन पड़ोस में निवास करने वाले परिवार के बच्चों का निःशुल्क किया जायेगा तथा उनसे प्रवेश शुल्क अथवा किसी अन्य प्रकार का शुल्क नहीं लिया जायेगा । ऐसे बच्चों की श्रेणी में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विकलांग, बालिकाएँ तथा सामान्य श्रेणी के परिवार जिनकी आय अधिकतम 60,000/-रुपये प्रतिवर्ष होगी ।

(ii) विद्यालय में नर्सरी/के0जी0 अथवा प्राथमिक कक्षा में नामांकन के लिए किसी तरह की प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार बच्चों एवं माता/पिता से नहीं लिया जायेगा । अगर नामांकन के लिए आवेदन निर्धारित क्षमता से अधिक हो तो लॉटरी के माध्यम से नामांकन के लिए बच्चों का चयन किया जायेगा ।

....3/

(iii) नर्सरी/के०जी० तथा प्राथमिक कक्षाओं के लिए प्रवेश लेने वाले बच्चों का विद्यालय से आवास की दूरी अधिकतम एक किलोमीटर एवं उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षा में नामांकन हेतु अधिकतम दूरी 3 किलोमीटर तक रहेगी ।

(iv) जिन बच्चों का नामांकन नहीं होता है उनसे ली गई आवेदन शुल्क की राशि का 80 प्रतिशत राशि वापस लौटाने की व्यवस्था होगी ।

8. यद्यपि की विद्यालय का निरीक्षण विभागीय पदाधिकारी के द्वारा किया गया है, फिर भी केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली अपने स्तर से जाँच कर यह सुनिश्चित हो लें कि विद्यालय उनके निर्धारित मापदण्ड के आधार पर संचालित है ।

9. साथ ही बोर्ड को यह सुनिश्चित करना होगा कि संबंधित विद्यालयों के द्वारा अपनी सहमति के अनुसार अनिवार्य एवं अपेक्षित शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है । स्कूल को यह शर्त सार्वजनिक करना होगा तथा इसका उल्लेख प्रोस्पेक्टस एवं वेबसाइट में करना होगा ।

10. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि माननीय उच्च न्यायालय के प्रसंगाधीन न्यायादेश के आलोक में स्कूल किसी ऐसे नाम का उपयोग नहीं करे जिससे भ्रम उत्पन्न होता हो ।

11. शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में राज्य सरकार द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र वापस ले लिया जायेगा तथा सम्बद्धन रद्द करने की कार्रवाई की जायेगी ।

12. विभागीय पत्रांक-46 दिनांक 18-1-2008 द्वारा शिक्षक/छात्रों हेतु शारीरिक दण्ड नहीं दिए जाने संबंधी आदेशों का विद्यालय द्वारा पालन करना होगा ।

13. विद्यालय बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के नियंत्री पदाधिकारी के द्वारा निरीक्षण हेतु किसी भी समय खुला रहेगा ।

...4/

14. उपरोक्त तथ्यों के आलोक में एवं वर्णित शर्तों के आधार पर मेधा एकेडमी, औरंगाबाद को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सम्बद्धता हेतु अनापत्ति दी जाती है।

विश्वासभाजन,

ह0/-

(कमलेश्वर प्रसाद सिंह)
निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बिहार ।

ज्ञापांक- 342 / पटना, दिनांक- 28/3/08

प्रतिलिपि- मेधा एकेडमी, औरंगाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित ।

26/3/'08

(कमलेश्वर प्रसाद सिंह)
निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बिहार ।

26/3/08